



कुछ हफ्ता के बाद मा कबूतर हर अपन चोंच मा एक ठी पत्ता हर दबाकर वापस आइस। आगू हफ्ता नूह हर जान चारिस की, भुईया हर सुखा गेहे काबर कि कबूतर हर वापस नी अइस।

19



भगवान हर नूह ला कहिस कि अब जोंगा ला छोड़े के बेला हर आगिस हे। एक संग नूह अऊ ओकर परिवार हर जानवर ला खाली करिस।

20



कतका खुशी नूह हर अपन मन मा महसूस करे होही, ओहर एक पवित्र धाम बनाइस अऊ ओकर परिवार ला ऐ भयंकर बाढ़ ले बचाय बर भगवान के बंदना करिस।

21



भगवान हर नूह करा अबर सुंदर बचन दिस कि एकर बाद काबौ मइनके जाति के पाप ला जांचे बर बाढ़ ला नहीं भेजव।

भगवान हर अपन किए गए बादा बर सुंदर चिन्हा दिस जोन हर सूर्य धनुष रहिस।

22



नूह अऊ अबड़ आंधी



नूह अऊ ओकर परिवार मन बाढ़ के बाद एक नावा शुरूवात के खोज करिन। कुछ बेर के बाद ओकर बंश मन धरती ला मइनके मन ले भर दिन। संसार के सबो देश नूह और ओकर

23

भगवान ला पता हे कि हमन गलत काम करे हन जेन ला ओहर पाप कहिथे। पाप के सजा मौत हावे। भगवान हमन ले बहुत प्यार करथे, ओहर अपन बेटा ईशु मसीह ला क्रूस में मरे बर अऊ हमर पाप के सजा ला पाये बर भेजोस। ईशु मसीह हा फेर जिंदा होगिस अऊ स्वर्ग वापस चल दिस ! अब भगवान हर हमन के पाप बर माफ कर सकथ हे। अगर आप मन अपन पाप ले मुख ला मोड़े बर चाहत हव ता भगवान ले ये कहव : हे भगवान! मैं विश्वास करथव कि ईशु मसीह हा मोर बर मरीस हावे अऊ अब ओहर फेर ले जीवित हावे। दया करके मोर जिंदगी मा आवव अऊ मोर पाप ला क्षमा करव। ताकि मैं हर अभी नांवा जिंदगी ला पा सकंव, अऊ आप मन के संग मा हमेशा बर रह सकंव। आपके बेटा बनके आप बर जिये सकंव।

बाइबल ला पढ़व अऊ भगवान से रोज बात करव !

नूह अऊ अबड़ आंधी  
इ कथा हर भगवान के बचन के द्वारा एक ठी बाइबिल  
पाए जाथे।  
उत्पत्ति ६-१०  
"आप मन कर बानी हर एला अंजोर देथे।"  
भजन संहिता ११९ : १३०

Chhattisgarhi

लिखे गए हवे। Edward Hughes  
उत्साह बढ़े गए हवे। Byron Unger; Lazarus

अनुवाद करे गए हवे। मधुलिका महतो  
चयन करे गए हवे। M. Maillot; Tammy S.

कथा ३ ले ६०

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

लाईसेंस : आप मन करा इ कथा ल चापे बर अऊ नकल करे के अधिकार तमे तक हे जब तक आप मन एला बेचिहा नाही।



नूह हर एक अइसे मइनसे रहिस जेहर भगवान ल पूजत रहिस। बाकी हरएक मइनसे मन भगवान से नफरत करत रहिन अऊ ओखर अनादर करत रहिन।

एक दिन भगवान हर कुछ झटका देहे के गोठ ला कहिस। मेहर एक कमजोर अऊ पापी धरती ला नष्ट कर दुहूँ। भगवान हर नूह ला कहिस खाली तोरेच परिवार हर बांच जाही।

1

2



भगवान हर नूह ला चेताइस कि एक अड़बड़ अऊ बिशाल बाढ़ आही। अऊ जमो धरती ला अपन मां समा लिही।

3



त तेहर एक लखरी के डोंगा ला बना एक बड़खा जहाज जा मे तोर पूरा परिवार अऊ सबै जानवर मन आ सके नूह ला कहे गइस। भगवान हर नूह ला सही सुझाव ला देत हावे नूह हर मगन हो मे।

4



जैसे ही मइनखे मन ला पता लागिंस कि नूह हर बड़खा डोंगी ला काबर बनावथे मनखे मन ओला

ताना बॉली मारे ला शुरु करीन।

5



फेर भी नूह हर बनाए मा लागे रहिस। ओहर मनखे मन ला भगवान के बारे म बताए म लगे रहिस। तभौ

भी कोनो मन बात ला नी सुनीन।

6



नूह ला अबड़ विश्वास रहिस। ओहर भगवान उपर अबड़ विश्वास करीस एकर बाद भी कभौ एतिकी बरसा नहीं होय रहिस। ओह झट के डोंगी म हर सामान मन ला लादे बर तयार होगिस।

7



एखर बाद जानवर मन आईन,भगवान हर सात परकार के जीव जंतु अऊ दू परकार के अलगा लानिस।

8



सुघर चिराई अऊ छोट- बड़ जीव डोंगी म अपन स्थान बनाए लागिन।

9



तभे भी मनखे मन नूह के उपर चिल्लाईन ओखर अपमान करिन। काबर कि ओहर जानवार मन ला भी भरत रहिस।

10



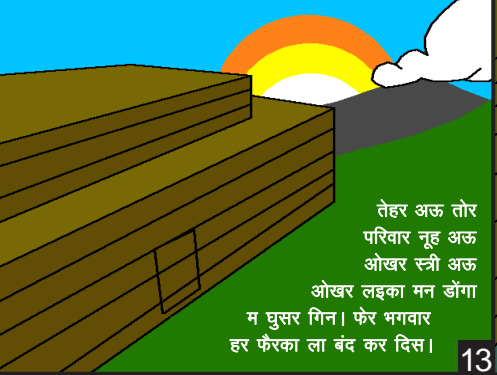
ओमन भगवान के विरुद्ध म पाप करे ला नी छोड़िन। ओमन डोंगी के भीतर मा घुसे बर पूछिन भी नाहि।

11



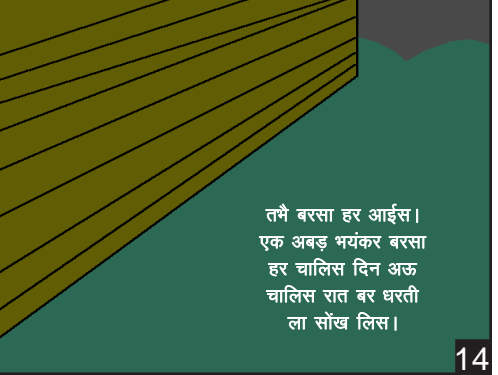
एखर बाद सभो जीव जंतु मन डोंगा के भीतरी मां समा गीन। "डोंगा के भीतरी मा आवो" भगवान हर नूह ला नेवता दिस।

12



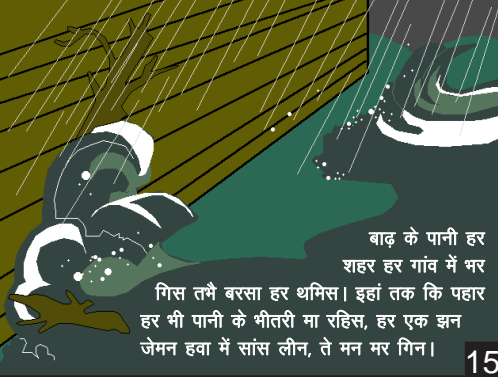
तेहर अऊ तोर परिवार नूह अऊ ओखर स्त्री अऊ ओखर लइका मन डोंगा म घुसर गिन। फेर भगवान हर फेरका ला बंद कर दिस।

13



तभे बरसा हर आईस। एक अबड़ भयंकर बरसा हर चालिस दिन अऊ चालिस रात बर धरती ला सांख लिस।

14



बाढ़ के पानी हर शहर हर गांव में भर गिस तभे बरसा हर थमिस। इहां तक कि पहार हर भी पानी के भीतरी मा रहिस, हर एक इन जेमन हवा में सांस लीन, ते मन मर गिन।

15



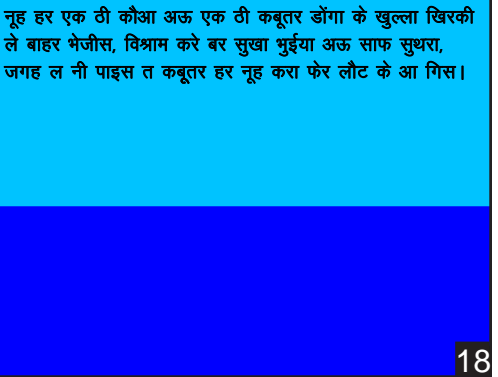
जइसे पानी हर बाढ़िस डोंगा हर पानी के उपर तैरत रहिस। भले ही डोंगा के भीतरी मा अधियार रहिस होही, उबर-खाबर अऊ डरावना रहिस, तहू लें डोंगा हर नूह के जान बचाइस अऊ आसरा दिस।

16



पांच महीना के अबड़ बाढ़ के बाद भगवान हर सूखा पवन ला भेजिस, धीरे-धीरे डोंगा हर अरारात के पहाड़ मा जाकर रुकिस अऊ माढ़ गिस। नूह हर डोंगा के भीतरी अगले ४० दिन तक रहिस, जबो तक पानी के चढ़ाव हर कम नीं होइस।

17



नूह हर एक ठी कौआ अऊ एक ठी कबूतर डोंगा के खुल्ला खिरकी ले बाहर भेजीस, विश्राम करे बर सुखा भुईया अऊ साफ सुथरा, जगह ल नीं पाइस त कबूतर हर नूह करा फेर लौट के आ गिस।

18